# विषय-सूची

## गत वर्षों के प्रश्न-पत्र हल सहित

# द्वितीय प्रश्न-पत्र (Paper II)

पृष्ठ संख्या

## (A) समाजशास्त्र की अवधारणाएं (Sociological Concepts)

3-139

समाजशास्त्र की प्रकृति, पिरभाषा, समाजशास्त्रीय पिरप्रेक्ष्य, मुख्य अवधारणाएँ : समुदाय, संस्कृति, मानदंड एवं मूल्य, समाज, सामाजिक संरचना, प्रिस्थित तथा भूमिका, सामाजिक समूह, अर्थ, प्रकार, प्राथमिक द्वितीयक, औपचारिक अनौपचारिक, अन्तर्समूह बाह्य समूह, सन्दर्भ समूह, सामाजिक संस्थाएँ : विवाह, पिरवार, शिक्षा अर्थव्यवस्था, राजव्यवस्था, धर्म एवं समाज, समाजीकरण, सामाजिक स्तरीकरण, स्तरीकरण के स्वरूप : जाति, वर्ग, लिंग, नृजाति, सामाजिक स्तरीकरण के सिद्धान्त, सामाजिक गतिशीलता, सामाजिक परिवर्तन, सामाजिक परिवर्तन की विशेषताएँ, सामाजिक परिवर्तन के सिद्धान्तः द्वन्द्वात्मक एवं चक्रीय। महत्वपूर्ण समाजशास्त्रीय अवधारणाएँ एवं उनके प्रतिपादक।

#### (B) समाजशास्त्रीय सिद्धान्त (Sociological Theory)

140-164

संरचनावाद सिद्धान्त : नाडेल, ब्राउन, लेवी स्ट्रॉस, संरचना सिद्धान्त, एस.एफ. नाडेल, ए.आर. रैडिक्लफ ब्राउन, लेवी स्ट्रॉस, प्रकार्यवादी सिद्धान्त : प्रकार्यवाद के भेद, मैलिनोवस्की, इमाइल दुर्खीम, टालकॉट पारसंस, रॉबर्ट के. मर्टन, अंतःक्रियावादी सिद्धान्त, सामाजिक क्रिया, मैक्स वेबर, विल्फ्रेंडो पैरेटो, प्रतीकात्मक अंतःक्रियावाद, जी.एच. मीड, हरबर्ट ब्लूमर, संघर्षवादी सिद्धान्त, कार्ल मार्क्स—वैज्ञानिक समाजवाद के जनक, डेहरेनडॉर्फ, लेविस कोजर, रेन्डाल कौलिन्स, वस्तुनिष्ठ प्रश्न।

# (C) पद्धतिशास्त्र (Methodology)

165-184

सामाजिक शोध का अर्थ एवं प्रकृति, सामाजिक अनुसंधान के प्रकार, सामाजिक प्रघटना, सामाजिक प्रघटनाओं के वैज्ञानिक अध्ययन में समस्याएँ, वैज्ञानिक पद्धित, वैज्ञानिक पद्धित के चरण, वस्तुनिष्ठता एवं विषयपरकता, वस्तुनिष्ठता का महत्व, वस्तुनिष्ठता की प्राप्ति में कितनाइयाँ, वस्तुनिष्ठता की प्राप्ति के साधन एवं उपाय, पिरमाणात्मक विधियाँ, सामाजिक सर्वेक्षण के उद्देश्य या कार्य, सर्वेक्षण की सीमाएँ, सर्वेक्षण के प्रकार, अनुसंधान प्रारूप या अनुसंधान अभिकल्प, उपकल्पना या प्राक्कल्पना, उपकल्पना के प्रकार, निदर्शन या प्रतिदर्श, निदर्शन के प्रकार, सामग्री एकत्र करने की प्रविधियाँ; अवलोकन, सहभागी अवलोकन, असहभागी अवलोकन, साक्षात्कार, प्रश्नावली, अनुसूची, गुणात्मक विधियाँ, एकल अध्ययन पद्धित, अन्तर्वस्तु विश्लेषण, सांख्यिकीय शोध, माध्यिका, बहुलक, विक्षेपण की माप, मानक विचलन, सहसम्बन्ध, विश्वसनीयता एवं वैधता, वस्तुनिष्ठ प्रश्न।

# पाठ्यक्रम

#### [A] : समाजशास्त्र की अवधारणाएँ

- 1. समाजशास्त्र की प्रकृति : परिभाषा, समाजशास्त्रीय परिप्रेक्ष्य।
- 2. मुख्य अवधारणाएँ : समुदाय, संस्था, समूह, संस्कृति, मानदण्ड एवं मूल्य।
- **3. सामाजिक संरचना** : प्रस्थिति एवं भूमिका, उनके अन्तर्सम्बन्ध, विविध भूमिकाएँ, भूमिका पुंज, प्रस्थिति पुंज, प्रस्थिति-क्रम, भूमिका-संघर्ष।
- **4. सामाजिक समूह** : अर्थ, प्रकार, प्राथमिक-द्वितीयक, औपचारिक-अनौपचारिक, अन्तर्समूह-बाह्य समूह, सन्दर्भ समूह।
- **5. सामाजिक संस्थाएँ** : विवाह, परिवार, शिक्षा, अर्थव्यवस्था, राजव्यवस्था, धर्म।
- **6. समाजीकरण**: समाजीकरण, पुनर्समाजीकरण, प्रत्याशी समाजीकरण, प्रौढ़ समाजीकरण, समाजीकरण के अभिकरण, समाजीकरण के सिद्धान्त।
- **7. सामाजिक स्तरीकरण**: सामाजिक विभेदीकरण, उच्चोच्च क्रम एवं असमानता, स्तरीकरण के स्वरूप: जाति, वर्ग, लिंग, नृजाति, सामाजिक स्तरीकरण के सिद्धान्त, सामाजिक गतिशीलता।
- **8. सामाजिक परिवर्तन** : अवधारणाएँ एवं प्रकार : उद्विकास, विसरण, प्रगति, क्रांति, रूपान्तरण, सामाजिक संरचना में परिवर्तन एवं सामाजिक संरचना का परिवर्तन, सिद्धान्तः द्वन्द्वात्मक एवं चक्रीय।

#### [B]: समाजशास्त्रीय सिद्धान्त

- 9. संरचनात्मक : नैडिल, रेडिक्लफ ब्राउन, लेवी-स्ट्रॉस।
- 10. प्रकार्यात्मक : मैलिनोवस्की, दुर्खीम, पारसन्स, मर्टन।
- 11. अन्तर्क्रियावादी : सामाजिक क्रिया : मैक्स वेबर, पैरेटो; प्रतीकात्मक अन्तर्क्रियावाद : जी. एच. मीड, ब्लूमर।
- 12. संघर्षात्मक : कार्ल मार्क्स, डेहरेनडॉर्फ, कोज़र, कॉलिन्स।

#### [C] : विधि (पद्धतिशास्त्र)

- 13. सामाजिक शोध का अर्थ एवं प्रकृति : सामाजिक घटक की प्रकृति, वैज्ञानिक विधि, सामाजिक घटक के अध्ययन में समस्याएँ : वस्तुनिष्ठता एवं व्यक्तिनिष्ठता, तथ्य एवं मूल्य।
- **14. गणनात्मक विधि** : सर्वेक्षण, शोध-प्रारूप एवं इसके प्रकार, उपकल्पना, निदर्शन, दत्त संकलन की विधियाँ : अवलोकन, प्रश्नावली, अनुसूची, साक्षात्कार।
- **15. गुणात्मक विधियाँ** : सहभागी अवलोकन, वैयक्तिक अध्ययन, अन्तर्वस्तु विश्लेषण, मौखिक इतिहास, जीवन इतिहास।
- 16. सामाजिक शोध में सांख्यिकी : केन्द्रीय प्रवृत्ति के माप : अनुपात, माध्यम, बहुलक, विचलन के माप के तरीके, सहसम्बन्ध विश्लेषण, सार्थकता का मापन, विश्वसनीयता एवं वैधता।